

Price ₹ 5/-

# हृदय और धड़कन

वर्ष-12, अंक-134, फरवरी 20, 2021

## कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केचूर परीख	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780

## पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. कश्यप शेट	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
		डॉ. दिव्येश सादडीचाला	+91-82383 39980

## कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008

## पिडियाट्रिक और स्ट्रक्चरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
--------------	-----------------

## कार्डियोवास्कुलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700
----------------	-----------------

## कार्डियाक एनेस्थेतिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चितन शेट	+91-91732 04454

## कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजिस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

## निओनेटोलोजिस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सिवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
------------------	-----------------

## अवरुद्ध नलियों का इलाज : ऑपरेशन



पहले बताए अनुसार हस्तक्षेपी हृदयरोग विशेषज्ञों को (Interventional Cardiologist) जिसे हम मजाक में 'प्लम्बर और इलेक्ट्रिशियन' कहते हैं। इसी प्रकार हृदय के सर्जन को 'सुथार' (Carpenter) कह सकते हैं, क्योंकि वह बीमार दिल को ठोक पीट कर ठीक करता है। बाय-पास ऑपरेशन यह एक प्रचलित शब्द है, और यह कॉरोनरी आर्टरी बाय-पास ग्राफ्ट (सी.ए.बी.जी.) का संक्षिप्त रूप है। हृदय की धमनी के रोग (सी.ए.डी.) के इलाज के लिए जब जरूरत पड़े तब यह शल्यक्रिया करवा लेनी चाहिए। इस शल्यक्रिया को करने से हृदय में रक्तप्रवाह सुधरता है, छाती का दर्द और घबराहट दूर होती है, थकान कम होती है, दवाओं की जरूरत कम पड़ती है, शारीरिक श्रम के लिए कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होती है और तंदरुस्ती की अनुभूति होती है। अगर सी.ए.बी.जी. शल्यक्रिया नहीं की जाए तो हृदय की धमनियों का अवरोध घातक सिद्ध हो सकता है।

**अवरुद्धों को दूर करने का छोटा रास्ता (बायपास)**

सौभाग्य से कभी भी पूरी की पूरी धमनी एक साथ अवरुद्ध नहीं होती है। उसके किसी एक भाग में ही अवरोध होता है। अवरोध के आगे

की नली अधिकतर खुली होती है। अवरोध जब उलझन भरे होते हैं और एक से ज्यादा धमनियों में फैला हो तो हृदयरोग विशेषज्ञ बायपास करवाने की सलाह देते हैं। इस शल्यक्रिया में रक्त को रुकावट से दूर ले जाने के लिए एक नया रास्ता बनाया जाता है।

**सी.ए.बी.जी. आखिर क्या है?**

कॉरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्ट (सी.ए.बी.जी.) एक बड़ी शल्यक्रिया है, जिसमें अपने शरीर के ही दूसरे किसी भाग से धमनी या / और नसें ले कर बिठाई जाती हैं (जिसे 'ग्राफ्ट' कहा जाता है), जिसकी मदद से हृदय के स्नायुओं को रक्त की जरूरी मात्रा पहुंचाई जा सके। हृदय की सतह के ऊपर इन रक्तवाहिनियों को हृदय की धमनी के अवरोध के बाद वाले भाग के साथ जोड़ दिया जाता है। इस प्रकार रक्त अब इस नये रास्ते से बहने लगता है। इस शल्यक्रिया में काम आने वाली धमनी या नस हाथ, पैर या छाती में से ली जाती है। ऐसी नसों को शरीर में से निकालने पर कोई नुकसान नहीं होता है। बायपास में सामान्यतया पाँव की सेफीनस नस,

हाथ की रेडियल धमनी या छाती में से बाँई अथवा दाहिनी इन्टरनल मेमोरी धमनी ली जाती है। ईश्वर का चमत्कार ही है कि बायपास के

लिए जो नलियाँ शरीर से लेकर बायपास किया जाता है उनकी असली जगह को कोई नुकसान नहीं होता है।

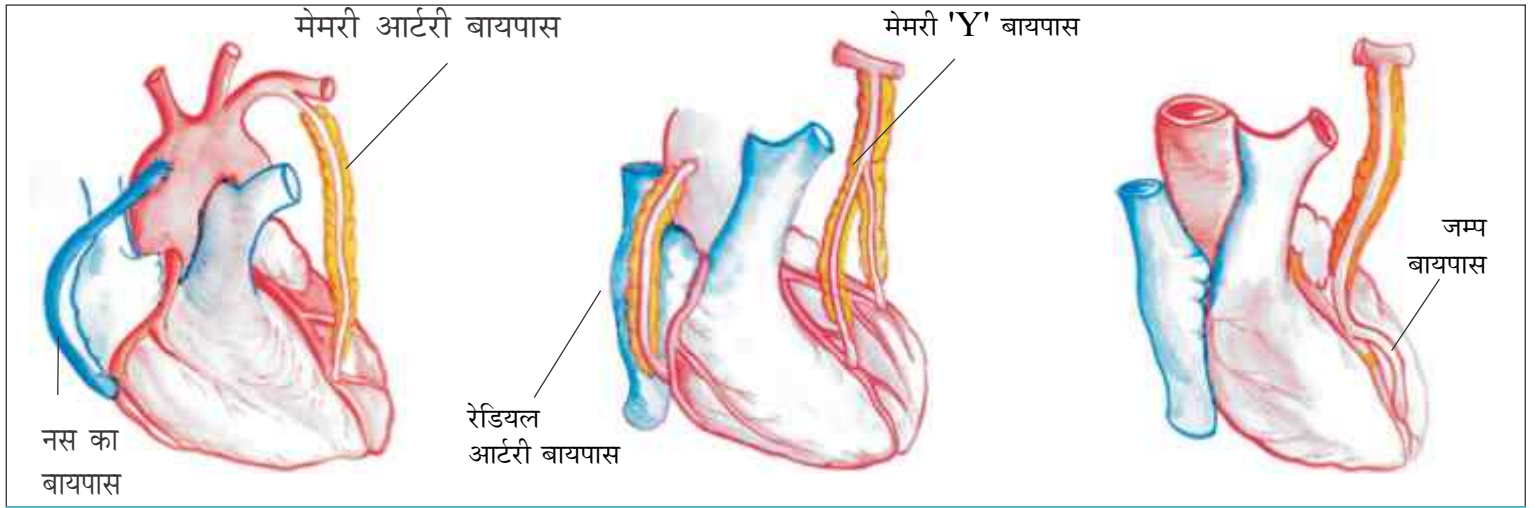
क्योंकि रेडियल धमनी हृदयरोग के मरीज में बायपास रक्तवाहिनी की तरह उपयोग में आती है इसलिए विश्वभर में उसे केवल एन्जियोग्राफी के लिए बहुत कम पसंद किया जाता है।

**पंप के ऊपर बायपास**

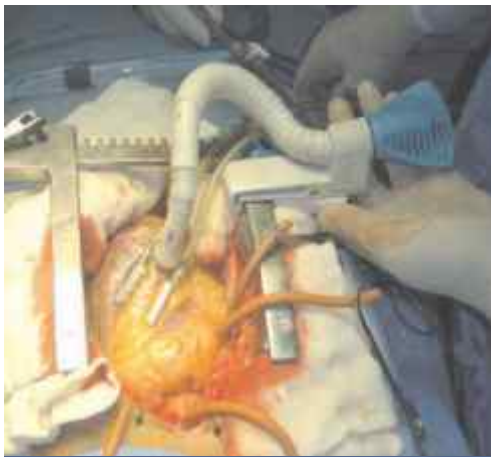
हार्ट-लंग मशीन (हृदय और फेंफड़ों की तरह काम करता मशीन) का उपयोग करते हुए बायपास ऑपरेशन किया जाता है। इस साधन से शल्यक्रिया के दौरान हृदय की धड़कनों को बंद करना सम्भव होता है और इसे 'पंप बायपास' कहा जाता है, क्योंकि जब हृदय बंद होता है तब यह हार्ट-लंग मशीन हृदय के बदले अपने शरीर में रक्त को पंप करता है। जब हृदय को इस तरह बंद किया जाता है उस समय सर्जन 'ग्राफ्ट' को हृदय की धमनियों के साथ पक्की तरह से जोड़ देते हैं।

**पंप के बिना बायपास**

एक अन्य आधुनिकतम तकनीक भी है, जिसमें हार्ट-लंगमशीन का उपयोग नहीं किया जाता। इसमें धड़कते हृदय के साथ ही ऑपरेशन



बायपास ऑपरेशन के विभिन्न प्रकार : ग्राफ्ट (धमनियों) को खास जगह पर जोड़ा जाता है।



**ऑक्टोपस : धड़कते हृदय के कुछ भाग को स्थिर रख ऑपरेशन किया जाता है।**

किया जाता है। इससे हार्ट-लंग मशीन से होने वाले नुकसान (Side effects) टाले जा सकते हैं तथा बायपास सुरक्षित व तेज बनता है। पंप के साथ बायपास की तुलना में रोगी जल्दी से ठीक होता है, और बहुत कम मात्रा में रक्त देने की जरूरत पड़ती है। अधिकतर किस्सों में पंप के बिना बायपास करने की सलाह दी जा सकती है।

**ऑक्टोपस**

सर्जनों के द्वारा उपयोग में आने वाला ऑक्टोपस एक ऐसा यंत्र है जो ग्राफ्ट को जोड़ते समय हृदय के किसी छोटे से भाग को स्थिर रखता है, जिसमें चूसकनलियां (सर्कर्स) होती हैं,

जो ऑक्टोपस की तरह हृदय के साथ चिपक जाती हैं और हृदय को नुकसान नहीं होता है। इस शल्यक्रिया के दौरान हृदय धड़कता रहता है, जिससे पंप बिना बायपास शल्यक्रिया को धड़कते हृदय की बायपास सर्जरी (Beating Heart Surgery) भी कहा जाता है।



एक दिन मैं ऑफिस में बैठा था और फोन आया 'आपके यहां शान्तिभाई पटेल नाम के कोई मरीज भर्ती है?' जी हाँ ! 'उनकी तबियत कैसी है?' 'ठीक है' 'उनको छुट्टी कब देंगे?' 'दो दिन में, आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं शान्तिभाई पटेल बोल रहा हूँ, आपसे यह सब पूछने का समय ही नहीं मिलता इसलिए आपको रूम में से फोन करके पूछ रहा हूँ।'



# सिम्स ट्रान्सप्लान्ट सेन्टर

टोटल हार्ट

**13**



केडेवरिक हार्ट ट्रान्सप्लान्ट

टोटल लीवर

**5<sup>RD</sup>**



केडेवरिक लीवर ट्रान्सप्लान्ट

**22**



कम समय में लीवर ट्रान्सप्लान्ट

गुजरात का प्रथम ट्रान्सप्लान्ट सेन्टर

हार्ट ट्रान्सप्लान्ट (हृदय प्रत्यारोपण) । लीवर ट्रान्सप्लान्ट । किडनी ट्रान्सप्लान्ट । लंग ट्रान्सप्लान्ट । बॉर्न मेरो ट्रान्सप्लान्ट

## हृदय की शल्यक्रिया के बाद

हृदय की सर्जरी के बाद ठीक होने में कुछ समय लगता है। थोड़ा दर्द व खांसी हो सकती है, पर शल्यक्रिया से होने वाले बड़े फायदे को देखते हुए यह तकलीफों को तो नहीं के बराबर कहा जाता है। हमने देखा कि बायपास शल्यक्रिया किसलिए करनी पड़ती है। अब हम देखेंगे कि इस प्रकार की अतिविशिष्ट शल्यक्रिया के बाद क्या होता है।

### बायपास के बाद के विशेष सुधार



बायपास के बाद आई.सी.यू. में रहना पड़ता है

बायपास के बाद रोगी एन्जायना और श्वसन की तकलीफ से मुक्त हो जाता है, और दैनिक क्रियाएँ जैसे, चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैरना इत्यादि जैसी शारीरिक क्रियाओं के लिए अधिक क्षमता प्राप्त कर सकता है।

सफल बायपास शल्यक्रिया के बाद में होने वाले ये सुधार इतने रोमांचक होते हैं कि इस प्रकार की शल्यक्रियाओं को आधुनिक शल्यक्रिया के इतिहास में सबसे महान सफलता माना जाता है।

### करना या नहीं करना

आम लोगों में हृदय की शल्यक्रिया को अभी



२ - ३ दिनों में रोगी बैठकर बात करता है

भी भयानक, खतरनाक, और जाटि ला माना जाता है। पर असल में ऐसा नहीं है, वास्तव में यह एक सुरक्षित प्रक्रिया (procedure) है। बहुत कम लोग जानते हैं कि सामान्यतया बायपास में १ से २ प्रतिशत तक ही खतरा है, जो अन्य किसी ऑपरेशन जितना ही या उससे भी कम है।

इसलिए हृदय की धमनी के रोग के साथ जीने के खतरे से अच्छा है बायपास करवा लेना, क्योंकि शल्यक्रिया की सफलता की संभावना ९८ से ९९ प्रतिशत रहती है। अधिक महत्वकी बात यह है कि शल्यक्रिया के बाद के फायदे हृदयरोग के हमले के निरंतर खतरे की तुलना में कहीं ज्यादा हैं।

ऐसा जीवन तो जैसे माथे पर लगातार लटकती तलवार के साथ जीने जैसा है। बायपास के बादमें अचानक हृदयरोग के हमले की लटकती तलवार का डर दूर होता है।

### फायदे : कितनी जल्दी?

जैसे ही ग्राफ्ट जोड़ा जाता है, और हृदय को अधिक रक्त मिलना शुरू होता है, बायपास के फायदे मिलना उसी क्षण से शुरू हो जाते हैं। हृदय को अधिक व शुद्ध रक्त की मात्रा मिलने से वह अधिक जोश के साथ काम करना शुरू करता है,

और इस कारण हृदयरोग के हमले का खतरा भी काफी हद तक कम हो जाता है। हृदय के वाल्व के रोगियों को भी शल्यक्रिया के कुछ समय पश्चात् ही फायदे मालूम पड़ने लगते हैं।

अब हम देखेंगे सर्जनों के द्वारा उनके रोगियों के हृदय को नया जीवन दिए जाने के बाद उनके ठीक होने के विभिन्न चरण।

### पहला दिन

अधिकतर रोगी शल्यक्रिया के बाद के २ - ३ घंटों में होश में आ जाते हैं। सामान्यतया दर्द कम व सहनीय होता है। रोगी अपने आप आराम से सांस ले सकता है। परन्तु रोगी के अनेक नलियाँ और लाइनें जुड़ी होती हैं जिससे वो न ज्यादा हिल सकता और न उसे हिलने दिया जाता है।

### दूसरा दिन

इस समय तक अधिकतर रोगी अपने आसपास के वातवरण के प्रति पूरी तरह सजग हो चुके होते हैं, और पलंग पर बैठ सकते हैं। सवेरे उन्हें द्रव्य आहार (liquid dite) दिया जाता है। शाम तक उन्हें कुछ हल्की खुराक लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिकतर रोगी समय बिताने के लिए टीवी देखते हैं, पेपर पढ़ते हैं या हल्का संगीत (Light Music) सुनते हैं।

### तीसरा दिन

इस समय तक रोगी का रक्तचाप, हृदय की धड़कनें व उसका श्वास सामान्य हो जाता है। छाती में डाली कई नलियों में से आता द्रव्य एकदम कम हो जाता है, और फिर उन नलियों को निकाल दिया

जाता है। इन नलियों के निकाले जाने के बाद रोगी अपने स्वस्थ होते हृदय के साथ अपनी पहली सैर को निकलता है। अगर मरीज की तबियत स्थिर हो तो उसे बाथरूम व लैट्रिन तक स्वयं चलकर जाने दिया जाता है।

### चौथे दिन से छुट्टी मिलने तक

इस दिन रोगी को आई. सी. यु. (इन्टेंसिव केयर युनिट) से हटा कर साधारण कमरे में रखा जाता है। अब रोगी इतना स्वस्थ हो चुका होता है वह अपने आप हिल डुल सकता है, थोड़ा घूम फिर सकता है, लैट्रिन तक आ जा सकता है, और खाने के लिए बैठ भी सकता है।

खांसी व शरीर में दर्द ये दो चीजें अगले ३-४ दिन तक परेशान कर सकती हैं, किन्तु छुट्टी मिलने तक तो रोगी भली भाँती चलने लगता है और ३-४ पायदान भी चढ़ और उतर सकता है। अधिकतर रोगियों को शल्यक्रिया के ५-७ दिन के बाद छुट्टी मिल जाती है।

### छुट्टी मिलने के बाद

घर जाने के बाद धीरे - धीरे रोगियों को उनके एन्जायना के दर्द से छुटकारा मिलने का एहसास होता है। उनको थोड़ी कमजोरी जरूर महसूस होती होगी, पर सामान्यरूप से वे हर तरह से स्वस्थता महसूस करते हैं।

आने वाले दिनों, सप्ताह, व महिनों में दर्द धीरे - धीरे कम होता है और खांसी बंद हो जाती है। छाती, हाथ व पैर के उपर शल्यक्रिया को घाव शल्यक्रिया के तीन से चार सप्ताह में कम होने लगते हैं।



बायपास के बाद धीरे - धीरे काम की शुरुआत

### कुछ झिझक

बहुत से रोगियों को यह सोचते हैं, कि क्या वो शल्यक्रिया के पहले वाली स्वस्थता पा लेंगे, और क्या पहले की तरह अपने काम को संभाल पाएंगे या नहीं। इसका जवाब स्वाभाविक है... हाँ। वास्तव में अधिकतर रोगी ये सारे काम उनकी शल्यक्रिया से पहले कर सकते थे उससे बेहतर रूप से कर सकते हैं, और इसलिए तो उन पर बायपास किया गया था।

### दूध का जला छाछ भी फूंक कर पीता है

यह कहने की जरूरत नहीं है कि बायपास कराने के बाद व्यक्ति को अब अधिक सावधान रहना चाहिए। हृदय जल्दी से सामान्य हो जाए और भविष्य में कोई हृदयरोग हो इसके लिए अपनी जीवन शैली में परिवर्तन बहुत आवश्यक है। बायपास के सभी रोगियों को यह याद रखना चाहिए कि यदि वे अपनी नई बायपास की गई धमनियों को खुली रखने का प्रयत्न नहीं करेंगे तो कुछ वर्षों के बाद यह नई धमनियां भी अवरुद्ध हो सकती हैं।

### आदमी कितना स्वस्थ हो सकता है?

इसका आधार, शल्यक्रिया के समय हृदय और रक्तवाहिनियों की स्थिति क्या थी, उस पर रहता है। अधिकतर रोगी दिन में ४५ मिनट से १ घंटे तक चलने जैसी हल्की कसरत कर सकते हैं, और करनी भी चाहिए। तैरने जैसी हल्की कसरतें भी कर लेनी चाहिए। बायपास ऑपरेशन होने के तीन से चार सप्ताह के बाद जातीय सम्बंध पूर्ववत बांधे जा सकते हैं।

### व्यवसाय या कामकाज कब शुरू किया जा सकता है

शल्यक्रिया के एक सप्ताह बाद में काम शुरू करने में कोई परेशानी नहीं है। फिर भी व्यक्ति को अपने काम करने के समय में नियमितता लानी चाहिए।

### आहार, आदतें और वजन

बायपास वाले रोगी का आहार पौष्टिक रहना चाहिए। खुराक के बारे में सलाह लेकर उसका

नियमित रूप से पालन करना बहुत जरूरी है। अधिक कोलेस्ट्रॉल व अधिक चर्बी वाली खुराक से दूर रहना चाहिए। उसका सर्वश्रेष्ठ उपाय है, भोजन में अधिकतम हरी सब्जी, फल व फलों का रस दिया जाना चाहिए।

तम्बाकू से खतरों की चर्चा अन्तिम प्रकरण में की गई है। कई लोगों में मान्यता होती है कि शल्यक्रिया के बाद शराब के सेवन से मदद मिलती है। किसी भी अनुसंधान से ऐसा कुछ साबित नहीं हुआ है। जिनका बायपास हो चुका हो ऐसे सब रोगियों को अपने वजन को नियंत्रण में रखना चाहिए।

### डाक्टरी सलाह

शल्यक्रिया के बाद पहले और तीसरे महीने में डाक्टरी जांच के लिए जाने की सलाह दी जाती है। स्ट्रेस टेस्ट (टी.एम.टी.) और इकोकार्डियोग्राम की जांच की जाती है। उसके बाद साल में एक बार 'लिपिड प्रोफाइल' (कोलेस्ट्रॉल वगैरह), टी.एम.टी. और इको करवा लेना चाहिए।

### आजीवन दवाएं

एस्पिरिन जैसी कई दवाएं बायपास के बाद आजीवन लेनी पड़ती हैं। एस्पिरिन के कारण कई बार रोगी के पेट में जलन होती है, फिर भी यह ध्यान से लेनी चाहिए। इन परिस्थितियों में एसिडिटी की दवा भी साथ में लेनी पड़ती है। सम्भवतया

खाना खाने के बाद एस्पिरिन लेने से उससे होने वाली जलन टाली जा सकती है। 'स्टैटिन्स' और कोलेस्ट्रॉल कम करने की खास दवा किसी फिजिशियन या हृदयरोग विशेषज्ञ की देखरेख में ली जानी चाहिए।

### डायबिटीज व हाई ब्लडप्रेसर

यह पुराने, और चुपचाप खत्म करने वाले रोगों को तो जीवन भर काबू में रखना चाहिए ! यह याद रखें कि बायपास से डायबिटीज और हाई ब्लडप्रेसर खत्म नहीं होता। संक्षिप्त में, हृदय की बड़ी शल्यक्रिया के बाद रोगी की यथायोग्य देखभाल सबसे महत्वपूर्ण है।



बायपास के बाद नई जिंदगी ... आशा की नई किरणें

सौजन्य

'हृदय की बात दिल से' -  
लेखक - डॉ. केयूर परीख



उम्र के साथ सहारे की नहीं,

श्रेष्ठ डॉक्टर की जरूरत है ।

सीम्स ओर्थोपेडीक्स

सीम्स अस्पताल, अहमदाबाद



गोल्ड सील ऑफ क्वालिटी  
जॉइन्ट कमीशन इंटरनेशनल (JCI) - USA  
अहमदाबाद शहर की एक मात्र मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल

24 X 7 हेल्पलाईन  
+91 70 69 00 00 00





क्या आपको डॉक्टर की मुलाकात करने में दिक्कत होती है ?

# CIMS CALLED<sup>®</sup>C

टेली कन्सल्टेशन

आज ही एपोईन्टमेंट बुक करे

फोन से +91 70690 49567

सुबह 9:30 से शाम 6.00, सोम से शनि  
या इ-एपोईन्टमेंट से ([www.cims.org](http://www.cims.org))

हम आपसे शीघ्र ही संपर्क करेंगे

★ शुभारंभ ★ - सीम्स नोर्थ - ओपीडी सेन्टर - अहमदाबाद

विशाल, अत्याधुनिक ओपीडी सेन्टर



उपलब्ध ओपीडी सेवायें

कार्डियोलॉजी | डर्मेटोलोजी | एन्डोक्रायनोलोजी | गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी | जनरल सर्जरी |  
जिनेटिक्स | इन्फेक्शियस डिस्सीज़ | नेफ्रोलोजी | सायक्रियाट्रीक | पल्मोनोलोजी | रुमेटोलोजी  
युरोलोजी | वास्कुलर सर्जरी

Call for appt : +91 79 4805 1008 | +91 98250 66661

सोम से शनि - 09:00 am to 06:00 pm

# सिम्स कैंसर सेन्टर

## सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

सर्जरी | रेडियेशन | किमोथेरापी

सब से बड़ी कैंसर टीम को मिलके, आया मुझे "चैन"  
क्योंकि मैं जानती हूँ कैंसर की जंग में कई साथियों की जरूरत होती है।



### कैंसर सेवायें

#### हेड एन्ड नेक कैंसर

- मुँह और गले का कैंसर
- थाइरोइड कैंसर

#### जीआई कैंसर

- अन्नली का कैंसर
- पेट और पैनक्रियाटीक कैंसर
- आंत का कैंसर
- लीवर कैंसर

#### बल्ड कैंसर

- ल्युकेमिया और लिम्फोमा
- बोन मेरो ट्रान्सप्लान्ट

#### युरो कैंसर

- किडनी, मूत्राशय और टेस्टिक्युलर कैंसर
- प्रोस्टेट कैंसर

#### गायनेक (वुमन) कैंसर

- स्तन कैंसर
- अंडाशय का कैंसर
- गर्भाशय कैंसर
- गर्भाशय के मुख (सर्विक्स) का कैंसर

#### अन्य

- फोफड़े का कैंसर
- न्यूरो कैंसर
- हड्डी कैंसर
- त्वचा कैंसर

### गुजरात की सबसे अनुभवी और कुशल कैंसर टीम

#### रेडियेशन कैंसर टीम

- डॉ. मौलिक भेंसदडिया
- डॉ. मल्हार पटेल
- डॉ. प्राप्ती पटेल देसाई
- डॉ. देवांग डी. भावसार
- डॉ. हिरक व्यास

#### सर्जिकल कैंसर टीम

- डॉ. मनिष गांधी  
(जीआई कैंसर सर्जन)
- डॉ. महावीर तडैया  
(गायनेक और गेस्ट्रो कैंसर सर्जन)

- डॉ. मोना शाह  
(गायनेक कैंसर सर्जन)

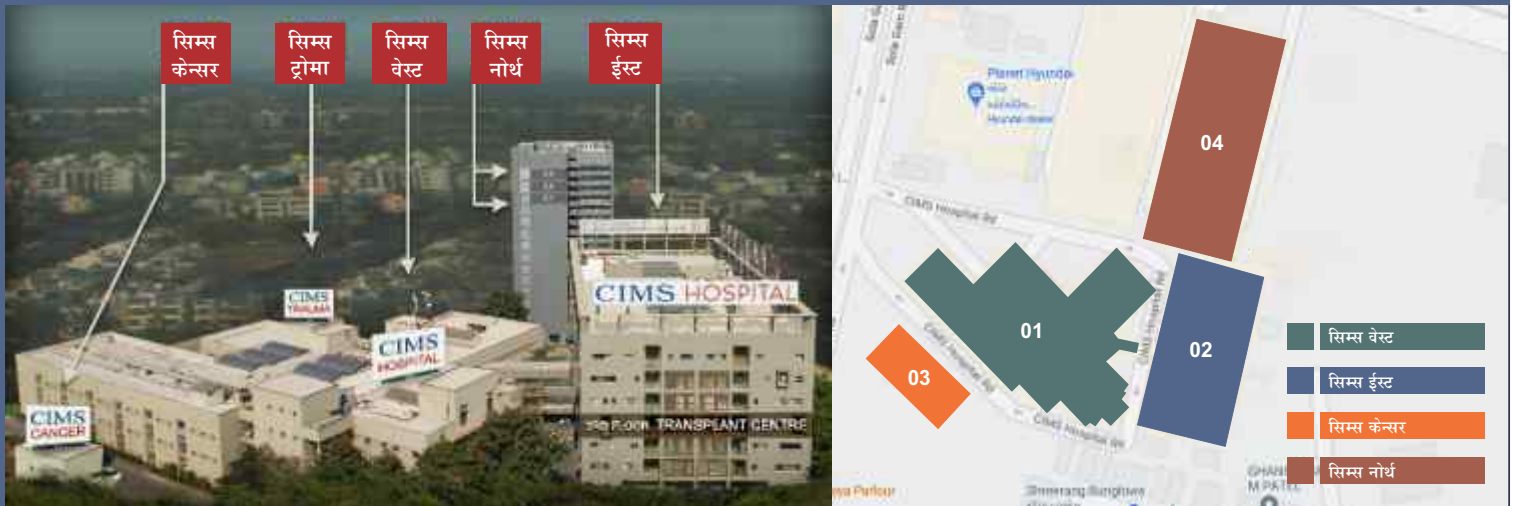
- डॉ. वत्सल कोठरी  
(प्लास्टिक सर्जन)
- डॉ. रुपेश शाह  
(युरो-कैंसर सर्जन)

#### मेडीकल कैंसर टीम

- डॉ. राहुल जयस्वाल
- डॉ. चिंतन शाह
- डॉ. चिराग देसाई
- डॉ. संकेत शाह
- डॉ. दीपा त्रिवेदी

अपॉइन्टमेंट के लिए : +91-79-4805 1257 | मोबाईल +91-99792 75555 | समय : सुबह 9:00 - शाम 7:00 PM | ईमेल : cims.cancer@cimshospital.org

## सिम्स मेडीसीटी™



लगभग 6,50,000 स्क्वेर फुट वाली और बड़े पैमाने पर बेज़मेंट 1,50,000 स्क्वेर फुट से अधिक

सभी मल्टी-स्पेशालीटी सेवाओं के लिए 24X7 सुरक्षित स्थान

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021

Published 20<sup>th</sup> of every monthPermitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26<sup>th</sup> to 30<sup>th</sup> of every month underPostal Registration No. **GAMC-1730/2019-2021** issued by SSP Ahmedabad valid upto 31<sup>st</sup> December, 2021Licence to Post Without Prepayment No. **PMG/HQ/088/2019-21** valid upto 31st December, 2021

## If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ऑफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 1059/1060

## सिम्स अस्पताल मेडिकल टीममें नये डॉक्टर शामिल

अब हररोज ओपीडी में उपलब्ध

समय : सुबह १० से दोपहर १ बजे तक  
(सोम से शनि)

## डॉ. मोना नमन शाह

MBBS, M.D. (Obstetrics & Gynaecology)  
Fellowship Gynaec Oncology (CMC Vellore)

कन्सलटन्ट गायनेक ओन्कोसर्जन

लेप्रोस्कोपीक केन्सर सर्जन, **CRS, HIPEC**

(Hyperthermic Intraperitoneal Chemotherapy)

मो. +91-98795 05063 | +91-79904 75291

mona.shah@cimshospital.org



## डॉ. कामिनी पटेल

MBBS, DGO (Diploma in Gynaecology & Obstetrics),  
DICOG

कन्सलटन्ट आईवीएफ (IVF)

मो. +91-94260 48748

kamini.patel@cimshospital.org



## डॉ. सतीष पटेल

MS (Ortho), FRCS

डायरेक्टर - आर्थ्रोप्लास्टी एन्ड आर्थ्रोस्कोपी

सीनीयर कन्सलटन्ट

जोयन्ट रीप्लेशमेन्ट एन्ड आर्थ्रोस्कोपी

मो. +91-98240 58332

satish.patel@cimshospital.org

अपोईन्टमेन्ट के लिए संपर्क करे : +91-79-4805 1257 | मोबाईल: +91-99792 75555

समय : सुबह 9:00 - शाम 7:00 (सोम से शनि) | ईमेल : [cims.cancer@cimshospital.org](mailto:cims.cancer@cimshospital.org)CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | [info@cims.org](mailto:info@cims.org) | [www.cims.org](http://www.cims.org)

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।